Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to change the name of Sholapur Railway Station as Siddharameshwar Railway Station.

डॉ. जयसिधेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी (शोलापुर): महोदय, धन्यवाद।

मेरा संसदीय क्षेत्र शोलापुर सिद्धरामेश्वर या सिद्धेश्वर नगरी के नाम से जाता है। सिद्धरामेश्वर 12वीं शताब्दी के महान संत रहे, जिन्होंने जीवंत समाधि ली, जिसको शिवयोग समाधि कहा जाता है।

सिद्धरामेश्वर जी बड़े साहित्यकार थे। उन्होंने करीब 68 हजार वचनों की (दोहा) रचना की तथा सर्वधर्म सामुदायिक विवाह की नींव रखी। शहरवासियों के हित को देखकर 40 एकड़ जमीन पर विशाल तालाब का निर्माण किया। उसी तालाब के बीचों-बीच पंजाब के स्वर्ण मंदिर जैसे सिद्धरामेश्वर जी का मंदिर सुशोभित है।

प्रति वर्ष जनवरी 12 तारीख से 15 तारीख तक मेला सम्पन्न होता है, जिसमें महाराष्ट्र के अलावा कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के करीब 10 लाख भाविक श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं।

अत: मैं माननीय प्रधान मंत्री जी, माननीय गृह मंत्री जी, माननीय रेल मंत्री जी एवं माननीय रेल राज्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि शोलापुर रेलवे स्टेशन का नाम सिद्धरामेश्वर या सिद्धेश्वर नाम से नामांतर किया जाए।

महोदय, जैसा कि आप जानते हैं, महाराष्ट्र राज्य का मराठा समाज कई सालों से आरक्षण की मांग करता आ रहा है। आपके माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि सकल मराठा समाज को आरक्षण प्रदान किया जाए।

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. जयसिधेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।